॥ बस हो भजन ॥

सदगुरु को ईश्वर जान लो । बस हो भजन (२)

जप नारायण नारायण नारायण (२)

निज आत्मा परमात्मा गुरु तीनो एक है । सदगुरु का दामन थाम लो ॥

बस हो भजन...

परब्रह्म सब में एक है उस एक में सभी । ब्रह्म ज्ञानी गुरु से जान लो ॥

बस हो भजन...

सपना यह संसार है और मन का ही है खेल । मन गुरु चरणो में बांध लो ॥

बस हो भजन...

नश्वर यह तन एक दिन मिट जायेगा यही । गुरु सेवा बलिदान दो ॥

बस हो भजन...

दृष्टि में तेरे दोष है दुनिया निहारती । समता का काजल डाल लो ॥

बस हो भजन...

परमात्मा से जोड् मन विषयो से तोड दे । तू खुद खुदा बन जायगा ॥

बस हो भजन...

जप नारायण नारायण नारायण (२)